



326



- लितम उत्तादेव -
- मिहिरत हीन्त -
- लताम् मातियती -
- लताम् -
- नकिंत रेड -

केतना :
 5,50,000/- रुपया ।
 15,04,000/- रुपया ।
 1,30,600/- रुपया ।
 92,00,000/- रुपया प्रति हेक्टेयर ।

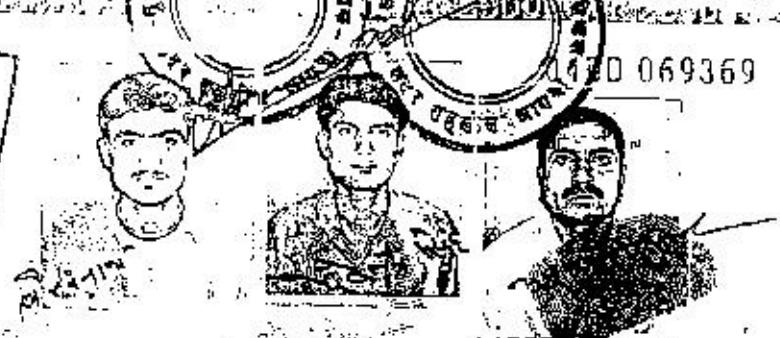
मिहिरत मातियती कृषि उपराजी है और कृषि कार्य हेतु ही विक्रय की जा रही है और जो कुछ भाग में एक किछमद है जो अधिक की दूरी पर स्थित है ।

विशेषतः - प्रदीप सिंह व हरदीप सिंह व रंजीत सिंह व विजनाथ व देवेन्द्र कमल पुत्राव लख की प्रताप सिंह निवासी ग्राम बगदा तहसील व जिला अमरा ।

प्रदीप सिंह हरदीप सिंह रंजीत सिंह विजनाथ देवेन्द्र सिंह



इंदौर भासं
120 JUN 2005
कोषाधिकारी, जालरा
TRY



डेटा:- मुम्बईन दिनांक 5/10/2005 राजि0 हाथ लिख करौलवान नई
दिली बारा अधिपूत इतिनिधि पश्चोर सिंह पुत्र श्री महावीर सिंह
निवासी मोहा नगर फाजिल्हा नगर अजमेरा ।

बेजि रजिस्ट्रार जालरा वार्ड नौजा बरौली अहीर तहसील व जिला
अजमेरा जालरा नम्बर 255 खता नम्बर 896 रकबा 0.5020 हेक्टेयर
मगानी । लम्बा 55 मैने ताल समुताधिक छतौली 1408 फतली
लम्बायत 1413 रसली ही प्रमाणित प्रतिलिपि के अनुसार हम दिडेतामन
अजमेरी मज्दुरादाला रिजिस्ट्रार कुल के रकबात्र दंडैलियत प्रेमी ।क।क।
तंडैलियत भूमिधर माहिल काबिज व दर्खिल ये आते हैं । और हमारा
मान काजलतलरकारी देहा में दंडैलियत त्वामी के दर्ज बना आता है

इंदौर रिजिस्ट्रार इंदौर जिला
महावीर सिंह
महावीर सिंह



04DD 069370

जयदीप शर्मा
120 JUN 2005
नियमाधिकारी, आगरा
TRY

- 3 -

हमारे विषय अन्य कोई राजी व हितोदार किसी प्रकार का आराजी मजबूत-
वाला किया हुआ नहीं है कि जो नये किसी तरह के इन्तकाल वगैरा का होवे
और जो आज तक हर तरह के करों व वार व टावे व झगड़े व रहन व पै व
हिले व मुआयिदा व व करों व वार व पार व इन्तकाल व रखरखाव व
रखरखाव मोरमेज व जमानत व बुर्जी व नालिग व नीलाम व तमस्त प्रकार
की देनदारियों व जिम्मेदारियों आदि ने कहीं मुबर्ता पाठ व ताफ है कि
जिसका पिक्र करना जाते करत अपनी अपनी के व जिसने माकूल व तमाम
कीमत के स्वीकार है उसमें अतएव अथवा हमारा है कि जिसको देता एक
माकूल कीमत अथवा वह हम करने को रजामन्द है।

लिहाजा हम विद्वेतागण अपनी-अपनी राजी व खुशी से बूझ तोय व समझकर बिला
अड्डाये व लिखाये व बिला उदाय किसी नायत्यय के त्वन्मचित्त मन बुद्धि व

जयदीप शर्मा जयदीप शर्मा जयदीप शर्मा जयदीप शर्मा





इसीर आगम

20/06/20

जोषाधिकारी, आगरा
TRY

0400 069371

- 4 -

इतिहास के अनुसार गलत जानकारी को भी सुझावित के बरकरार रखकर
5,50,000/- बाँध लाख पचास हजार रुपये का आधे जिसके मुबलिय 2,75,000/-
दो लाख पचहत्तर हजार रुपये को हैं बरकरार - मुल्कान चिन्तकोन डाकालि
राजिडा कार्यलय करौत धन नई दिल्ली द्वारा अधिकृत इतिहासि यशवीर सिंह
पुत्र श्री नडावीर सिंह निवसति ग्रेष्मा नगर फाउण्डरीनगर आगरा क्रेता उक्त को
पूर्ण आधिकार्य व त्यागवित्त्य सहित चिन्त कोनई की और बेच दी और जीन्त
का शुल धन मुबलिय 5,50,000/- बाँध लाख पचास हजार रुपये हम दिक्केताग्यों
ने क्रेता उक्त में इस प्रकार प्राप्त कर लिये कि मुबलिय 50,000/- रुपये बख्ते ही
प्राप्त कर लिये व मुबलिय 5,00,000/- रुपये द्वारा बैंक नम्बरी 643005 व
643006 व 643007 व 643008 व 643009 समस्त दिनांकित 21-6-2006 ई0
कि जो समस्त मुबलिय 1,00,000/- रुपये का प्रत्येक है, केनरा बैंक कमलनगर
शाखा आगरा के है, के द्वारा पिछ्छि भुम्मान हो जाने के पश्चात प्राप्त कर
लिये हैं। इस प्रकार उक्त हम दिक्केताग्यों को अहीदर उक्त के कीमत में कुछ
बाना बाजी नहीं रहा है और न अप्रदा होना :

प्रमाणित इस्वीय चिह्न रजिस्ट्रीकरण निम्नलिखित
[Signature] [Signature] [Signature] [Signature]

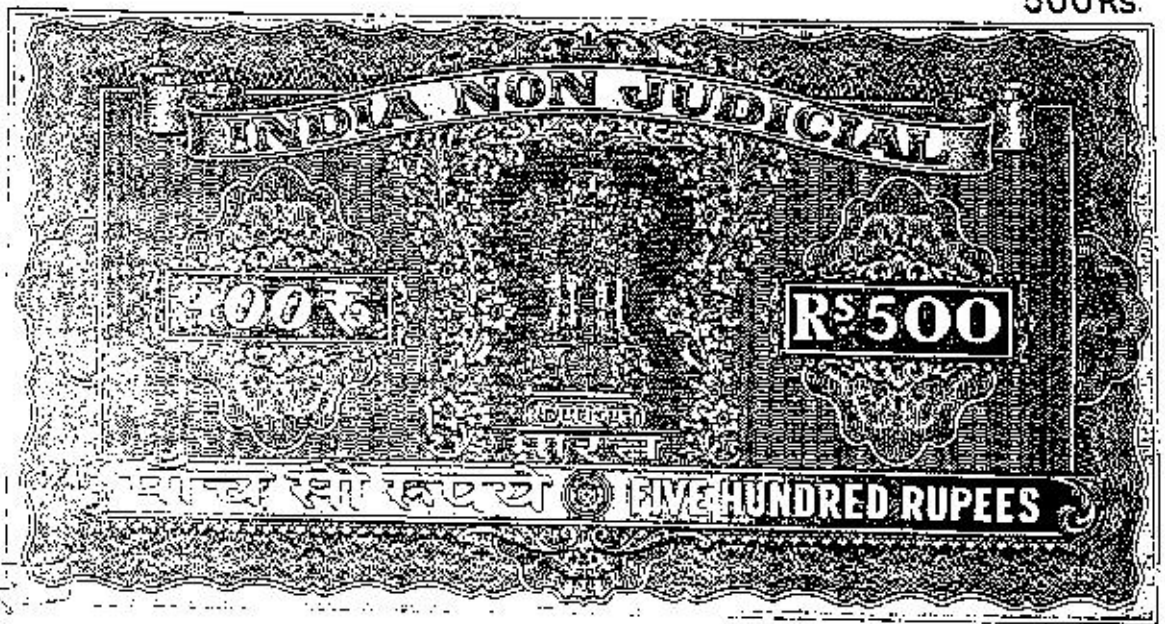


0400 069373

- 5 -

पहले बांधे गये रेलों के नाम तूरतों में उत्तुल की जवाबदेही व जिम्मेदारी तनहा हम विद्येतागनों की व वाणिज्य व वायन सुकामान हमरों की है और होणे । यह तन्म खरीदार को अधिकार होगा कि वह कुल जरे समन अपना मय तूट बरजा व खया आदि नहिह हम विद्येतागनों की जात खात बाघदाद नतकला व गैरमनकला हरकितम तो बाहें जित प्रकार से वतुल करमें कुड उजर न होगा । अराजी नुडिया विजित कुल की जमीन नजूल व राजर्जिय आतथान की तन्नाति नहीं है और नाहीं फित्ती बाट में अतिरिक्त रिक्त भूमि घोषित की गई है जितकी बाघत हम विद्येतागनों ने फित्ती प्रकार का छोई नुजाखन आदि प्राप्त नहीं किया है । अराजी नुडिया कुल के विद्येतागनों में जेला व विद्येतागन अनुसूचित जाति व जनजाति के नहीं हैं ।

विजित इन्दीप सिंह राजर्जिय तूरतों में ०४०००६९३७३



- 7 -



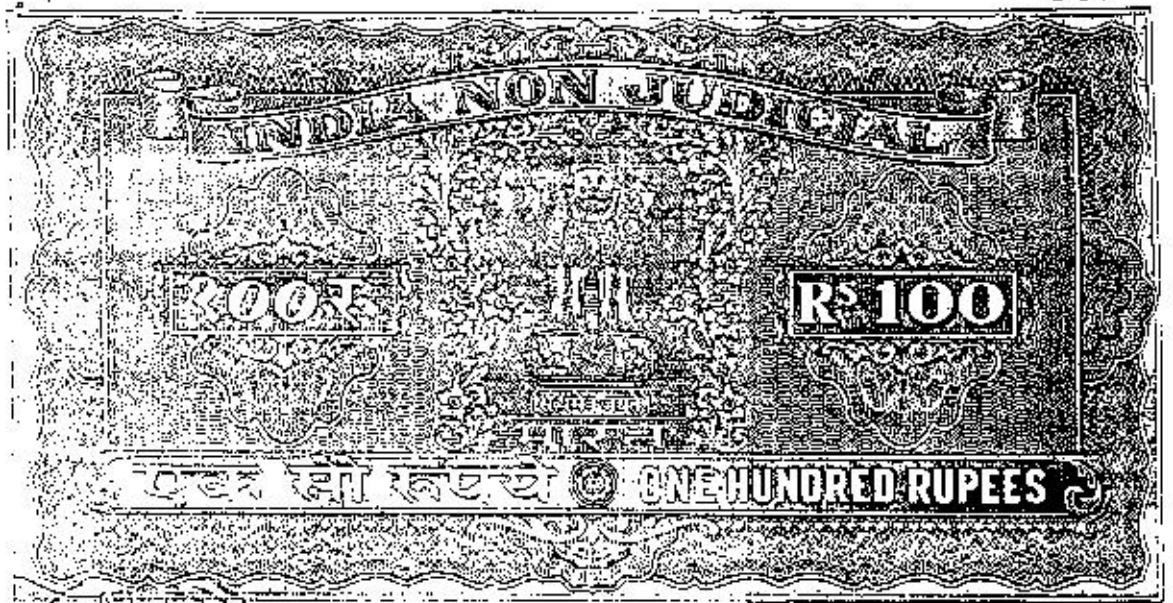
महात्मा जयप्रकाश नारायण के आदेशानुसार भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(1) के अन्तर्गत यह घोषणा करता हूँ कि ऐसे सभी तथ्य एवं परिस्थितियाँ जो स्टाम्प अधिनियम की प्रणाली से सम्बन्धित हैं पूर्णतः सत्य एवं सही हैं।

प्रमाणित दृष्टीय विवरण शरीरगत विवरण



हस्ताक्षर





- 9 -

तिहाज्या यह ज्ञानना लिय दिया कि तन्त रहे और समय पर काम आवे ।
 तहसील नारीब 21-6-2005 ई० व मीदा सुरेश चन्द्र अग्रवाल दस्तावेज
 लेखक नैयताली 35/41, नौमलता मोडाम्मी आगरा व हाईकोर्ट
 सीटेंस कुमार मोयल सडर तहसील आगरा । दस्तावेज हाजत नक्षकारानों
 के निदेशानुसार तहसील व तहसील कर लेंग जियत गया

प्रतिपक्ष दृष्टिप रिट श्रुतीभक्त लिखना

अवाह अत्ये-रसिंह कुश गीश आलसिंह
 निवासी बरीली कदीर आगरा

अवाह अकडयास कुश गीश आलसिंह
 निवासी बरीली आगरा

रिज 44/02

रिज का नाम-सुरेश चन्द्र अग्रवाल
 हाईकोर्ट नं० 14 मास नं० 02-3-1-06
 (प्राप्त-5-2-2006) आगरा
 रजद पुस्तक 500-1 नं० 1-1-1-1

(Signature)



3/17/76 901 247
264
2116105
निदेशक

100	100	374
100	100	
100	100	
100	100	

सं. 100/100/100

3/17/76 901 247

100/100/100

100/100/100

100/100/100

100/100/100

100/100/100

100/100/100

2746
 21/6/05
 स्टाम्प विभाग को लिख
 स्टाम्प प्रय करने का प्रयोजन
 स्टाम्प काटने का नाम व पुरा पत्र
 स्टाम्प का धारा नं. 107/-
 संजय अग्रवाल
 लाइसेंस नं. 1
 सा. की अवधि 31 मार्च 2006
 सदर तहसील, नागरा

निष्कर्षण 30 लि 0
 2746



3/1/1/05

ला. नं. 1
 नं. 264
 21/6/05
 नं. 264
 नं. 264
 नं. 264

475/0505
 30/6/05
 नं. 264
 नं. 264
 नं. 264

नं. 264
 नं. 264
 नं. 264

नं. 264
 नं. 264
 नं. 264